Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

11

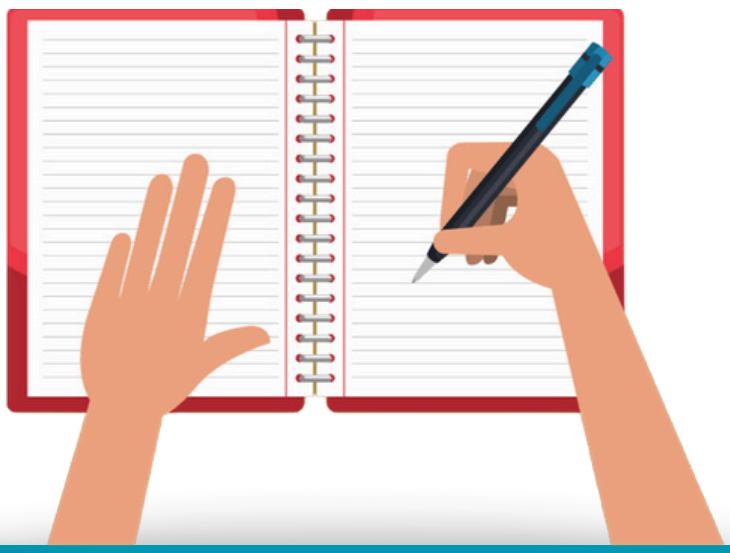

मराठी भाषा को आधिकारिक रूप से शास्त्रीय भाषा का दर्जा

8 जनवरी को एक सरकारी संकल्प (जीआर) जारी होने के साथ मराठी भाषा को आधिकारिक रूप से शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान किया गया है।

इस दौरान केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने दिल्ली में महाराष्ट्र के मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत से मुलाकात की और उन्हें शास्त्रीय भाषा के रूप में मराठी को मान्यता देने का सरकारी आदेश सौंपा।

- ज्ञातव्य है कि इससे पहले केन्द्रीय मंत्रीमण्डल ने 3 अक्टूबर 2024 को असमिया, बंगाली, पाली, प्राकृत के साथ मराठी को भी शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान किया गया था।
- तमिल 2004 में शास्त्रीय भाषा का दर्जा पाने वाली पहली भाषा थी। जबकि संस्कृत को 2005 में यह दर्जा मिला।

मराठी भाषा

- मराठी भाषा पश्चिमी और मध्य भारत की इंडो-आर्यन भाषा है इसकी सीमा मुंबई के उत्तर से लेकर पश्चिमी तट से गोवा होते हुए पूर्व की ओर दक्कन तक फैली है।
- 1966 में यह महाराष्ट्र राज्य की आधिकारिक भाषा बन गई।

मराठी भाषा दिनाच्या हार्दिक शुभेच्छा!
Result Mitra

मराठी भाषा को आधिकारिक रुप से शास्त्रीय भाषा का दर्जा

शास्त्रीय भाषा के लिए मानदंड:

1. प्राचीनता: भाषा के प्रारंभिक ग्रंथों का इतिहास 1500-2000 वर्ष पुराना होना चाहिए।
2. मूल साहित्यिक परंपरा: भाषा की साहित्यिक परंपरा मौलिक होनी चाहिए और किसी अन्य भाषण समुदाय से उधार नहीं ली गई हो।
3. साहित्यिक धरोहर: प्राचीन साहित्य या ग्रंथों को बोलने वालों की पीढ़ियों द्वारा मूल्यवान विरासत माना जाना चाहिए।
4. भिन्नता: शास्त्रीय भाषा और साहित्य अपने वर्तमान स्वरूप से भिन्न हो सकते हैं।

भारत की शास्त्रीय भाषाओं की सूची

भाषा
शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने का वर्ष
प्रमुख विशेषताएँ
तमिल
2004
संगम साहित्य, 2000 वर्षों से अधिक का इतिहास।
संस्कृत
2005
भारतीय संस्कृति, धर्म और दर्शन की आधारभूत भाषा।
कन्नड़
2008
2000 वर्षों का प्राचीन साहित्यिक इतिहास।
तेलुगु
2008

प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य का समृद्ध भंडार।

मलयालम

2013

लगभग 1500 वर्षों का साहित्यिक इतिहास।

ओड़िया

2014

1000 वर्षों से अधिक का साहित्यिक इतिहास।

मराठी

2024

प्राचीन ग्रंथ जैसे ज्ञानेश्वरी और लीलाचरित्र।

पाली

2024

बौद्ध धर्म की प्राचीन भाषा, त्रिपिटक का आधार।

प्राकृत

2024

जैन और बौद्ध साहित्य की समृद्ध परंपरा।

असमिया

2024

13वीं शताब्दी का साहित्य, वैष्णव आंदोलन का प्रभाव।

बंगाली

2024

चंडीदास और रवींद्रनाथ टैगोर की साहित्यिक धरोहर।

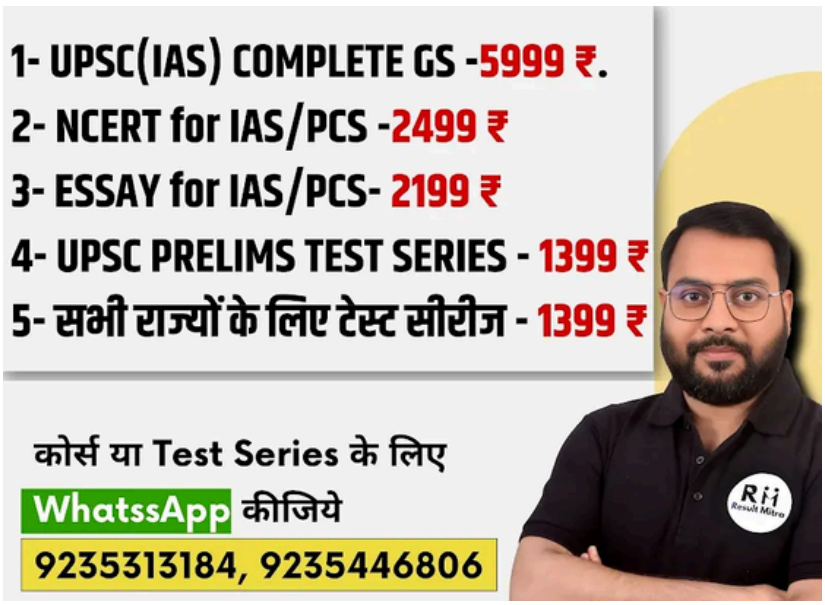

विश्व हिन्दी दिवस एवं हिन्दी की वैश्विक पहचान

10 जनवरी 2025 को विश्व हिन्दी दिवस मनाया गया जिसका उद्देश्य हिन्दी भाषा के वैश्विक प्रचार-प्रसार और महत्व को उजागर करता है। जिसका उद्देश्य हिन्दी भाषा के वैश्विक प्रचार-प्रसार और महत्व को उजागर करना है।

थीम - हिन्दी एकता और सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज

विश्व हिन्दी दिवस की शुरुआत 10 जनवरी 2006 को भारत सरकार ने की थी।

हिन्दी भाषा की वैश्विक पहचान निरंतर बढ़ रही है।

आज हिन्दी न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में करोड़ों लोगों द्वारा बोली और समझी जाती है।

हिन्दी भाषा का विकास

हिन्दी भाषा का विकास लगभग 1000 सालों का है। हिन्दी भाषा का विकास तीन चरणों में हुआ।

- आदिकाल
- मध्यकाल
- आधुनिक काल

- हिन्दी को भारत की राजभाषा 14 सितम्बर 1949 को घोषित किया गया है। इस दिन को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

11/01/P2

@resultmitra www.resultmitra.com

- आदिकाल में डिंगल और पिंगल जैसी हिंदी बोलियों का विकास हुआ।
- मध्यकाल में सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई, मलिक मोहम्मद जायसी जैसी कवियों ने हिंदी को नई ऊँचाइयां दीं
- आधुनिक काल में खड़ी बोली का विकास हुआ।
- भारतेन्द्र हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी साहित्य का जनक माना जाता है
- 14 सितंबर 1949 को हिंदी को भारत की राजभाषा घोषित किया गया।

Result Mitra

विश्व हिन्दी दिवस एवं हिन्दी की वैश्विक पहचान

हिंदी दिवस और विश्व हिंदी दिवस में अंतर:

हिंदी दिवस: हर वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाता है। यह भारत के संविधान में हिंदी को राजभाषा के रूप में अपनाने की वर्षगांठ है।

विश्व हिंदी दिवस: हिंदी को वैश्विक स्तर पर प्रचारित करने और अन्य देशों में इसकी पहचान को बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

हिंदी का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव

1. हिंदी बोलने वाले देशों की सूची:
   - भारत, नेपाल, मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, दक्षिण अफ्रीका।
2. भारतीय समुदाय के माध्यम से हिंदी का प्रसार:
   - दुनिया भर में प्रवासी भारतीयों के माध्यम से हिंदी का प्रचार हो रहा है।
3. शिक्षा और साहित्य:
   - विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पाठ्यक्रम और शोध।
   - हिंदी साहित्य का अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में अनुवाद।

हिंदी बोलने वालों की संख्या:

- 2024 तक दुनिया में हिंदी लगभग 61.5 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है।
- यह दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाहै, अंग्रेजी और मंदारिन के बाद।

गिद्धों के संरक्षण के लिए निमेसुलाइड पर प्रतिबंध एवं गिद्ध एवं पर्यावरण का योगदान

केन्द्र सरकार ने गिद्धों के संरक्षण के लिए पशु चिकित्सा में उपयोग होने वाली दर्द निवारक दवा निमेसुलाइड पर प्रतिबंध लगा दिया है।

- यह दवा गिद्धों के लिए अत्यधिक विशैली मानी जाती है।
- गिद्ध पर्यावरण के स्वच्छताकर्मी होते है। जो मृत पशुओं के अवशेषों को खाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखते है।
- पशु चिकित्सा में दर्द निवारक दवा के तौर पर निमेसुलाइड का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक नॉनस्टेरॉइड ऐंटी-इंफ्लेमेटरी दवा है।

Result Mitra

गिद्धों के संरक्षण के लिए निमेसलाइड पर प्रतिबंध

भारत में गिद्ध संरक्षण के प्रयास

1. रेप्टोर रिसर्च एंड कंजर्वेशन

- भारत में गिद्ध प्रजनन केंद्र स्थापित किए गए।
- हरियाणा (पिंजौर) में गिद्ध संरक्षण और प्रजनन केंद्र सबसे प्रमुख है।

2. राष्ट्रीय गिद्ध संरक्षण कार्य योजना (2006)

- डाइक्लोफेनाक के विकल्प के रूप में मेलॉक्सिकैम को बढ़ावा देना।
- रेप्टोर प्रजनन कार्यक्रम के तहत गिद्धों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना।

3. SAFE Program

- SAVE (Saving Asia's Vultures from Extinction) एक प्रमुख संगठन है, जो एशिया में गिद्ध संरक्षण के लिए काम करता है।
- यह कार्यक्रम ड्रग टेस्टिंग और सुरक्षित क्षेत्रों के निर्माण पर केंद्रित है।

4. जागरूकता और शिक्षा अभियान

- गिद्धों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।
- गिट्टू जैसे प्रतीकात्मक चरित्र ग्रामीण क्षेत्रों में लोकप्रिय हैं।

Result Mitra

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में भारत का 85 वाँ स्थान

हेनले पासपोर्ट रैंक्स 2025 के अनुसार भारत की रैंकिंग में गिरावट आई है और अब यह 85 वें स्थान पर पहुँच गया है।

- पिछले वर्ष भारत 80 वें स्थान पर था।
- इस इंडेक्स के अनुसार भारतीय पासपोर्ट धारक अब 57 देशों में बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं।
- इस वर्ष रैंकिंग में सिंगापुर ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है जिसके नागरिक 195 देशों में वीजा-मुक्त यात्रा कर सकते हैं।
- जापान दूसरे स्थान पर है।
- अफगानिस्तान सबसे निचले स्थान पर है।

11/01/25

Result Mitra

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में भारत का 85 वां स्थान

भारत और हेनले पासपोर्ट इंडेक्स

1. भारत की रैंकिंग और चुनौती

- भारत का पासपोर्ट 85वें स्थान पर है, जो विकसित देशों की तुलना में कमजोर है।
- भारतीय नागरिकों के लिए केवल 59 देशों में वीज़ा-मुक्त या वीज़ा-ऑन-अराइवल सुविधा है।

2. प्रयास और सुधार

- भारत सरकार कई देशों के साथ वीज़ा छूट समझौते पर काम कर रही है।
- भारतीय नागरिकों की बढ़ती सॉफ्ट पावर और अर्थव्यवस्था का विकास भारत की रैंकिंग को भविष्य में सुधार सकता है।

3. तुलना

- जापान और सिंगापुर जैसे देश, जिनकी वीज़ा-नीति अधिक लचीली है, उच्च रैंकिंग पर हैं।
- भारत को सार्वजनिक कूटनीति और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता है।

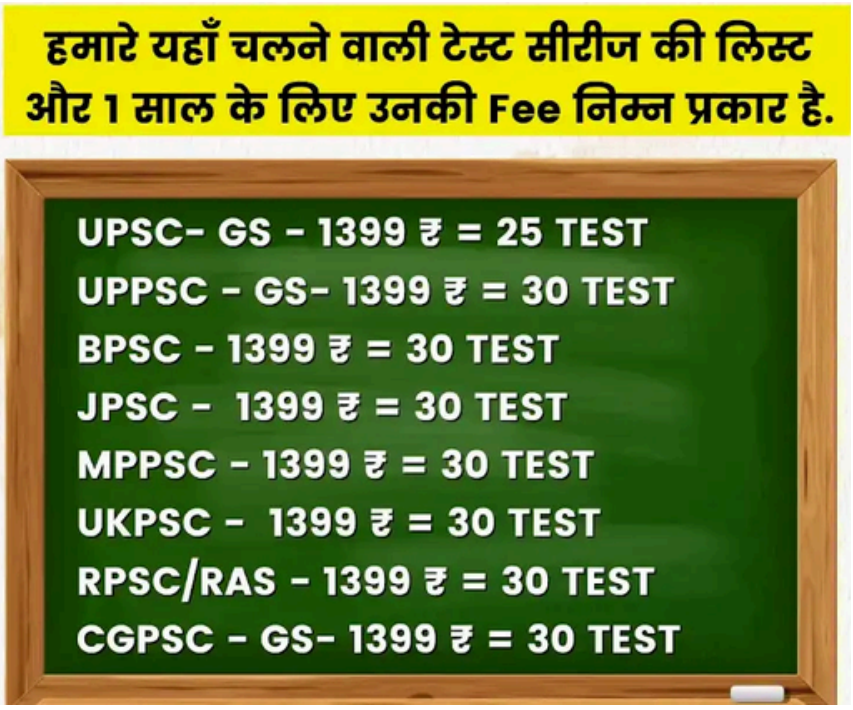

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे जेड-मोड़ टनल का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 जनवरी 2025 को जम्मू कश्मीर के गगनगीर सोनमर्ग में स्थित जेड़-मोड़ टनल का उद्घाटन करेंगे यह टनल श्रीनगर लेह मार्ग पर स्थित है

- इसकी लंबाई 6.4 km है

सोनमर्ग में प्रसिद्ध स्थान

- थजीवास ग्लेशियर
- विशनसर झील
- कृष्णसर झील
- जोजी-ला-दर्रा
- वालयल ग्लेशियर
- सिंध नदी
- सिंध नदी
- गुलमर्ग
- सोनमर्ग
- पहलगाम